For more bhajna click here :->bhajansimran.com

दिया थाली बिच जलता है,

ऊपर माँ का भवन बना,

नीचे गंगा जल बहता है ॥

दिया थाली बिच जलता है ।

ऊपर माँ का भवन बना,

नीचे गंगा जल बहता है ॥

माँ के माथे पे टीका है,

माँ की बिंदिया ऐसे चमके

जैसे चाँद चमकता है

दिया थाली बिच जलता है

ऊपर माँ का भवन बना

नीचे गंगा जल बहता है .....

माँ के गले में हरवा है

माँ के झुमके ऐसे चमकें

जैसे चाँद चमकता है

दिया थाली बिच जलता है

ऊपर माँ का भवन बना

नीचे गंगा जल बहता है .....

माँ के हाथों में चूड़ियां है

माँ के कंगन, मेंहदी ऐसे चमक

जैसे चाँद चमकता है

दिया थाली बिच जलता है

ऊपर माँ का भवन बना

नीचे गंगा जल बहता है .....

मां के पैरों में पायल हैं

मां के बिछुए ऐसे चमके

जैसे चाँद चमकता है

दिया थाली बिच जलता है

ऊपर माँ का भवन बना

नीचे गंगा जल बहता है .....

माँ के अंग पे साड़ी है

माँ की चुनरी ऐसे चमके

जैसे चाँद चमकता है

दिया थाली बिच जलता है

ऊपर माँ का भवन बना

नीचे गंगा जल बहता है .....